7. भारतीय राष्ट्रवाद का महत्व : इस विषयवार के अन्तर्गत वो ही कारक आते हैं जो इसे प्रेरित/प्रेरित कर एक अच्छे, सुव्यवस्थित, ससंगठीत राष्ट्र का निर्माण करते है। राष्ट्रवाद की भावना एक समूह भावना एक समूह भावना है। राष्ट्रवाद उस ऐतिहासीक प्रतिक्रियाओं का प्रतिपादन करता है जीसके द्वारा, राष्ट्रीयता एक सुदृढ़ राजनितीक एककों का रूप धारण कर लेती है। यह वह भावना है, जिससे प्रेरित होकर वे लोग एक निश्चित और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करतें हैं।

## निष्कर्ष :

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलनों के इतिहास में या इसके अवलोकन करने से पता चलता है की इसको गति प्रदान करने में हमारे राष्ट्रवादी नेताओं के विचारों का अहम योगदान रहा। इनके योगदान ने भारतीय जनमानस को इस बात से अवगत कराया है, की हमारे शोषण और उत्पीड़न के लिए अंग्रेजी शासन व उसकी भेदभावपूर्ण नितीयां पूर्णरूप से उत्तरदायी हैं। इसके अतिरिक्त तत्कालीन समय में राष्ट्रीय घटनाओं ने भारत को उपग्रन्थी राष्ट्रवाद के विकास की ज़मीन तैयार कर दी और यह स्पष्ट हो गया की

अंग्रेज अजय नहीं है। यदि हम शोषण करने वाली सरकार से मुक्ति चाहते हैं तो हमें पूर्ण स्वराज की ओर अग्रसर होना होगा, ताकि भारतीय राष्ट्रवाद अपने अन्तिम लक्ष्य तक पहुँच सके।